Name : ....

Roll No. : ....

कुल प्रश्नों की संख्या : 14] [कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

T-222010–A

विषय : हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 80

निर्देश : (*i*) **सभी** प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न-पत्र के प्रश्नों को तीन खण्डों—'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(*iii*) खण्ड-'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) खण्ड-'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) खण्ड-'ग' के आरोह भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) खण्ड-'ग' के वितान भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड-'क'

प्रश्न-1 अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

किसी मनुष्य में जनसाधारण से विशेष गुण व शक्ति का विकास देख उसके संबंध में जो एक स्थायी आनंद-पद्धति हृदय में स्थापित हो जाती है, उसे श्रद्धा कहते हैं। श्रद्धा ऐसे कर्मों के प्रतिकार में होती है जिनका शुभ प्रभाव अकेले हम पर नहीं, बल्कि सारे मनुष्य समाज पर पड़ सकता है। श्रद्धा महत्त्व की आनंदपूर्ण स्वीकृति के साथ-साथ पूज्य बुद्धि का संचार है। प्रेम के लिए इतना ही पर्याप्त है कि कोई मनुष्य अच्छा लगे पर श्रद्धा के लिए आवश्यक यह है कि कोई किसी बात में बढ़ा हुआ होने के कारण हमारे सम्मान का पात्र हो। प्रेम में घनत्व अधिक है और श्रद्धा में विस्तार। यही कारण है कि मनुष्य से प्रेम करने वाले दो एक ही मिलते हैं पर श्रद्धा रखने वालों की संख्या करोड़ों तक पहुँच सकती है। श्रद्धा में दृष्टि पहले कर्मों पर से होती हुई श्रद्धेय तक पहुँचती है और प्रीति में प्रिय पर से होती हुई उसके कर्मों आदि पर जाती है। एक में व्यक्ति के कर्मों द्वारा मनोहरता प्राप्त होती है, दूसरे में कर्मों को व्यक्ति द्वारा। एक में कर्म प्रधान है, दूसरे में व्यक्ति। श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है।

जब पूज्यभाव की वृद्धि के साथ श्रद्धा-भाजन के सामीप्य लाभ की प्रवृत्ति हो, उसकी सत्ता के कई रूपों के साक्षात्कार की वासना हो, तब हृदय में भक्तिभाव का प्रादुर्भाव समझना चाहिए। जब श्रद्धेय के दर्शन, श्रवण, कीर्तन, ध्यान आदि में आनंद का अनुभव होने लगे, जब उससे संबंध रखने वाले श्रद्धा के विषयों के अतिरिक्त बातों की ओर भी मन आकर्षित होने लगे, तब भक्ति-रस का संचार समझना चाहिए।

(*i*) श्रद्धा किसे कहते हैं? [2]

(*ii*) श्रद्धा व प्रेम में दो अंतर लिखिए। [2]

(*iii*) भक्ति कैसे उत्पन्न होती है? [2]

(*iv*) किसमें कर्म प्रधान है, और क्यों? [2]

(*v*) भक्ति-रस का संचार कब होता है? [2]

(*vi*) 'वासना' के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। [1]

(*vii*) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। [1]

प्रश्न-2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"मेरे स्वप्न तुम्हारे पास सहारा पाने आएँगे।
इस बूढ़े पीपल की छाया में सुस्ताने आएँगे॥
हौले-हौले पाँव हिलाओ जल सोया है छेड़ो मत।
हम सब अपने-अपने दीपक यहीं सिराने आएँगे॥
थोड़ी आँच बची रहने दो थोड़ा धुआँ निकलने दो।
तुम देखोगी इसी बहाने कई मुसाफिर आएँगे॥
फिर अतीत के चक्रवात में दृष्टि न उलझा लेना तुम।
अनगिन झोंके बन घटनाओं को दोहराने आएँगे॥
रह-रह आँखों में चुभती है, पथ की निर्जन दोपहरी।
आगे और बढ़ें तो शायद दृश्य, सुहाने आएँगे॥
मेले में भटके होते तो कोई घर पहुँचा जाता।
हम घर में भटके हैं कैसे ठौर-ठिकाने आएँगे॥
हम क्या बोले इस आँधी में कई घरौंदे टूट गए।
इस असफल निर्मितियों के शव कल पहचाने जाएँगे॥
हम इतिहास नहीं रच पाए इस पीड़ा में दहते हैं।
अब हो धाराएँ पकड़ने इसी मुहाने आएँगे॥"

(i) मेले में भटकने और घर में भटकने का क्या अर्थ है ? [1]

(ii) पथ की निर्जन दोपहरी से क्या आशय है ? [1]

(iii) 'अतीत के चक्रवात' से क्या तात्पर्य है ? [1]

(iv) 'हौले-हौले', 'अपने-अपने' में कौन-सा अलंकार है ? [1]

खण्ड-'ख'

प्रश्न-3 निम्नलिखित में से किसी **एक** शीर्षक पर लगभग *200* शब्दों में निबंध लिखिए : [1+3+1=5]

(क) परहित सरिस धरम नहिं भाई

(ख) सेल्फी का बढ़ता बुख़ार

(ग) सीमेंट के जंगल में भटकी दुनिया

(घ) नारी सशक्तीकरण

प्रश्न-4 कोरोना के बढ़ते प्रकोप से बचाव हेतु टीकाकरण की अनिवार्यता पर स्वास्थ्य मंत्री को एक पत्र लिखिए। [1+3+1=5]

अथवा

अमानक व अव्यवस्थित सड़क निर्माण से हो रही दुर्घटनाओं पर ध्यानाकर्षण कराते हुए दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए।

प्रश्न-5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [1+1+1+1=4]

(क) वैकल्पिक पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?

(ख) विशेष लेखन की भाषा-शैली का एक उदाहरण लिखिए।

(ग) संवाददाता की किन्हीं दो बैसाखियों का उल्लेख कीजिए।

(घ) समाचार लेखन में छः ककार कौन-कौन से हैं ?

प्रश्न-6 नाटक के किन्हीं तीन तत्त्वों का उल्लेख कीजिए। [3]

अथवा

कहानी के तीन प्रमुख तत्त्वों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न-7 'बच्चों का खोता बचपन' विषय पर फीचर लेखन कीजिए। [3]

अथवा

'जनसंख्या विस्फोट' पर आलेख लिखिए।

खण्ड-'ग'

प्रश्न-8 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए :

"जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
छतों के ख़तरनाक किनारों तक—
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ़ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत"

(क) बच्चों को गिरने से कौन बचाता है ? [2]

(ख) "डाल के लचीलेपन" से किसकी तुलना हुई है, और क्यों ? [2]

(ग) "दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए" से क्या आशय है ? [2]

प्रश्न-9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [2+2=4]

"कल्पना के रसायनों को पी,
बीज गल गया नि:शेष,
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव पुष्पों से नमित हुआ विशेष।"

(क) काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए।

(ख) काव्यांश के भाव-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न-10 (क) उषाकाल में आकाश के गतिशील परिवर्तन को कवि ने किन उपमानों द्वारा दर्शाया है ? [3]

(ख) 'सहर्ष स्वीकारा है' नामक कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

प्रश्न-11 अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [2+2+2=6]

''बाज़ार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुम्बक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली हो पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है, तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है! मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ। सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है। जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फ़ैंसी चीज़ों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है।''

(क) बाज़ार के जादू की तुलना किससे की गई है, और क्यों ?

(ख) बाज़ार का जादू कब-कब चलता है ?

(ग) जादू का असर उतरने पर क्या होता है ?

प्रश्न-12 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) ''हमारी ज़मीन हमारे पानी का मज़ा ही कुछ और है!''—यह कथन किसका है ? [1]

(ख) वर्तमान काल हमेशा सुधारों का काल क्यों बना रहता है ? [3]

(ग) 'पहलवान की ढोलक' कहानी के आधार पर ग्रामीणों की गरीबी और असहायता पर टिप्पणी कीजिए। [3]

(घ) ''गगरी फूटी बैल पियासा''—लेखक ने ऐसा क्यों लिखा है ? [3]

प्रश्न-13 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। [4]

अथवा

'सिल्वर वैडिंग' के आधार पर उन जीवन-मूल्यों की सोदाहरण समीक्षा कीजिए, जो समय के साथ बदल रहे हैं।

प्रश्न-14 (क) 'जूझ' कहानी के लेखक के जीवन-संघर्ष के उन चार बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए, जो हमारे लिए प्रेरणादायक हैं। [1×4=4]

अथवा

किन-किन बातों को ध्यान में रखकर हम सिंधु घाटी सभ्यता को 'जल-संस्कृति' कह सकते हैं? किन्हीं चार बिन्दुओं में तर्क दीजिए।

(ख) 'सम हाउ इंप्रापर' वाक्यांश का प्रयोग यशोधर बाबू लगभग हर वाक्य के प्रारंभ में 'तकिया-कलाम' की तरह करते हैं। इस वाक्य का उनके व्यक्तित्व और कहानी के कथ्य से क्या संबंध बनता है? लिखिए। [4]

अथवा

'जूझ' कहानी के प्रमुख पात्र आनंदा के स्वभाव की चार विशेषताएँ लिखिए। [1×4=4]

———